अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) दिनांक 21.12.2015

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक – 100

भिक्षु दृष्टांत – 40

प्र.1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 13

(क) ''तुमने अपना घर कृष्णार्पण कर रखा है।'' यह कथन किसने और क्यों कहा?

(ख) साधु के आहार को बुरा काम बताने पर भीखणजी स्वामी ने जीवणजी से क्या कहा?

(ग) भीखणजी स्वामी के कटांलिया के मित्र का नाम क्या था?

(घ) ''तीन तुम्बे अधिक थे, वे आज फोड़ ड़ाले।'' ये कथन किसने किसको कहा?

(ङ) ''भीखणजी! बाईस सम्प्रदाय वाले तुम्हारे अवगुण निकालते हैं?'' अवगुण निकालने के परिपेक्ष्य में भीखणजी स्वामी ने क्या प्रत्युत्तर दिया?

(च) साधु का दूसरा परिषह कौन सा है?

(छ) श्रावक और कसाई को एक समान किसने और क्यों गिना?

(ज) ''तुम्हारे तीसरे महाव्रत के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण क्या हैं?'' भीखणजी स्वामी के इस प्रश्न का कचरोजी ने क्या उत्तर दिया?

(झ) स्वामीजी ने श्रावक में कितनी आत्माएँ किस अपेक्षा से बतायीं?

(ञ) तिलोकचंदजी के लिए आचार्य भिक्षु द्वारा कही हुई बात कैसे सच हुई?

(ट) भिक्षुस्वामी ने निक्षेपों की चर्चा किससे और कहाँ की थी?

(ठ) पीपाड़ के चोथजी बोहरा ने भिक्षुस्वामी को किसका दान दिया तथा उसने दान देते समय क्या कहा?

(ड) गुमानजी भीखणजी स्वामी से चर्चा करते हुए क्यों संकुचाते थे?

(ढ़) नवदीक्षित खेतसीजी ने कौन सा परीषह दृढ़ता से सहा?

(ण) जीव भारहीन कैसे हो सकता है?

(त) साधुओं की कठोर प्रकृति के कारण स्खलना को मिटाने हेतु स्वामी भीखणजी कौन सा दृष्टांत देते थे?

प्र.2 किन्हीं दो घटना–प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें। 12

(क) भीतर तांबा ऊपर चांदी का झोल (ख) जितना हाथ लगे, उतना ही अच्छा

(ग) बासी रोटी सजीव या अजीव (घ) कहीं सूत्र में आया होगा

(ड.) कथनी–करणी का अन्तर

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर दृष्टांतों के आधार पर विस्तार से दीजिए। 15

(क) संवेगी मुनि खंतविजयजी के साथ भिक्षुस्वामी की हुई चर्चाओं का उल्लेख करते हुए सिद्ध करें कि भिक्षुस्वामी में उत्पतिया बुद्धि थी?

(ख) दृष्टांतो द्वारा सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु परिपूर्ण आचारनिष्ठ व्यक्ति थे?

महासती सरदारां – 15

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) साधक के लिए अनशन की स्थिति में कौन सी सुखशय्या आलम्बनभूत होती है और उसका क्या तात्पर्य है?

(ख) ''लाभंतरे जीवियवूहइता पच्छा परिन्नाय मलावधंसी।'' इस सूत्र से क्या तात्पर्य है?

(ग) आचार्य ऋषिरायजी ने कौन से सूत्र के आधार पर सती सरदारां को किस प्रकार अग्रगण्य पद पर नियुक्त किया?

(घ) दीक्षा की आज्ञा प्राप्त करने के पश्चात् बहिन सरदारां ने मुनि भीमराजजी से क्या कहा?

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 10

(क) सिद्ध करें कि महासती सरदारां के व्यक्तित्त्व के साथ दायित्त्व के नए अध्याय जुड़े।

(ख) ''समर्पण का अभिनव क्रम'' पर टिप्पणी लिखें।

(ग) संघ दीपशिखा महासती सरदारां के जीवन के अन्तिम समय का वर्णन करें।

अनुकम्पा की चौपाई – 30

प्र.6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 5

(क) द्रव्य लाय और भाव लाय का यहाँ क्या अर्थ है?

(ख) आहार, पानी गोचरी से लाने वाला साधु यदि अपने लिए थोड़ा अधिक आहार रखने से क्या होता है?

(ग) भगवती दया का पालन किस–किस ने किया?

(घ) हिंसा करने के क्या–क्या कारण हैं?

(ड) नियमानुसार तीर्थंकर दीक्षा कब दे सकते हैं?

(च) मोक्ष सम्बन्धी उपकार के 32 भेद कौन से हैं?

(छ) छद्मस्थ को पहचानने का वर्णन कौन से सूत्र में आया हुआ है?

प्र.7 आचार्य भिक्षु ने मिश्र धर्म पर कटाक्ष करते हुए कौन से सात दृष्टांत दिये तथा उनमें से तीन दृष्टांतों को कड़ा क्यों बताया गया? 10

'अथवा'

''दान देने से और जीव बचाने से यदि कर्मों का क्षय होता तो देवता भी मोक्ष चले जाते।'' इस कथन के सन्दर्भ से आचार्य भिक्षु का आशय स्पष्ट करें।

प्र.8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) घट में ग्यांन घाले नें पाप पचखावे, तिण पडतो राख्यो भव कूआ मांह्यो।
भावे लाय सूं बलता ने काढ़े रक्षेसर, ते पिण गेहला भेद न पायो।।

(ख) हिंसा में धर्म तो जिण कह्यो नांही, हिंसा धर्म कह्यां झूठ लागे जी।
दूसरी झूठ निरंतर बोले, त्यांरो बीजोइ महावरत भागेजी।।

(ग) दस सुपनां पिण भगवंत देखीयारे, दस सुपनां रो पाप लागो छे आंण रे।
ते पिण दसूं सुपनां रो पाप जू जूओ रे, तिणरी संका म करजो चतुर सुजांण रे।।

(घ) मित्री सूं मित्रीपणों चलीयो जावे, वेरी सूं वेरीपणों चलीयो जावे।
अे तो राग ने घेष कर्मां रा चाला, ते श्री जिण धर्म मांहें नहीं आवे।।

भिक्षुवाणी – 15

प्र.9 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) कांदा ने सो.....लागे पास।। (ख) जेहने जेहवा.....थी खाय।

(ग) पेम घटारण.....पड़ो धिकार।। (घ) पिण आंब.....नीर झरें ए।।

प्र10 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 9

(क) आसक्ति (ख) द्वेष (ग) परख (घ) होनहार

(ङ) सत्पुरुष (च) साध्वाभास